



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 345]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 11, 2018/भाद्र 20, 1940

No. 345]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 2018/BHADRA 20, 1940

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 11 सितम्बर, 2018

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2018

सं. सेबी/ एल. ए. डी. - एन.आर. ओ./ जी. एन./ 2018/ 33.— बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:-

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2018 कहा जा सकेगा।

2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 में,-

(1) विनियम 2 में,-

(क) उप-विनियम (1) में, खंड (ज) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्:-

“(ज) “बारंबार व्यापारित शेयरों” से लक्षित कंपनी (टारगेट कंपनी) के ऐसे शेयर अभिप्रेत हैं जिनका किसी स्टॉक एक्सचेंज में व्यापारित व्यापारावर्त (ट्रेडेड टर्नओवर) उस कलेंडर महीने से पहले के बारह कलेंडर महीनों के दौरान लक्षित

कंपनी के ऐसे वर्ग के शेयरों की कुल संख्या का कम से कम दस प्रतिशत हो, जिसमें इन विनियमों के तहत सार्वजनिक घोषणा की जानी अपेक्षित हो :

परंतु यह कि जहाँ लक्षित कंपनी के किसी विशेष वर्ग के शेयरों की शेयर पूँजी ऐसी अवधि के दौरान एकसमान न हो, वहाँ लक्षित कंपनी के ऐसे वर्ग के कुल शेयरों की भारित औसत संख्या शेयरों की कुल संख्या को दर्शाएगी;"

(ख) उप-विनियम (1) में, खंड (ज) के पश्चात् और खंड (ट) से पूर्व, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(जक) "भगोड़ा आर्थिक अपराधी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत होगा, जिसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (द फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर्स एक्ट, 2018) [2018 का 17] की धारा 12 के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया हो;"

(ग) उप-विनियम (1) में, खंड (ड) के पश्चात् और और खंड (ढ) से पूर्व, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(डक) "सूचीबद्धता संबंधी विनियमों" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ] विनियम, 2015 [सेबी (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) रेग्यूलेशन्स, 2015] अभिप्रेत है;"

(घ) उप-विनियम (1) में, खंड (द) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्:-

"(द) "डाक मतपत्र" (पोस्टल बैलट) से वह डाक मतपत्र अभिप्रेत है जिसका उल्लेख कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत बनाए गए कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 22 के तहत किया गया है;"

(ड) उप-विनियम (2) में शब्द, चिह्न और अंक "कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1)", शब्दों, चिह्नों और अंकों "कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18)" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे ।

(2) विनियम 5क में,-

(क) उप-विनियम (1) में, परंतुक में, शब्दों "पहले ही कर दी हो" के पश्चात्, निम्नलिखित शब्द, चिह्न और अंक अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"और उप-विनियम (1) के तहत लाए जाने हेतु प्रस्तावित प्रस्ताव (ऑफर) के प्रयोजनार्थ असूचीबद्ध किए जाने के संबंध में बाद में की जाने वाली घोषणा पर्याप्त नहीं होगी" ।

(ख) उप-विनियम (3) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात् :-

"(3) उप-विनियम (1) के तहत लाए गए असूचीबद्धता के प्रस्ताव (डीलिस्टिंग ऑफर) के असफल होने की दशा में, अर्जनकर्ता (अक्रायरर) द्वारा खुले प्रस्ताव संबंधी बाध्यताएँ उसी प्रकार पूरी की जाएंगी जैसा नीचे उल्लेख किया गया है :

(i) अर्जनकर्ता, खुले प्रस्ताव के प्रबंधक के माध्यम से, उप-विनियम (2) के तहत घोषणा की तारीख से पाँच कार्य-दिवसों के भीतर, बोर्ड के पास प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) दाखिल करेगा, जैसा विनियम 16 के उप-विनियम (1) में निर्धारित किया गया है; और

(ii) इन विनियमों के सभी अन्य लागू प्रावधानों का पालन करेगा:

परंतु यह कि प्रस्ताव की कीमत, शेयरधारकों को प्रतिफल (कन्सिडरेशन) के भुगतान की निर्धारित तारीख और शेयरधारकों को प्रतिफल (कन्सिडरेशन) के भुगतान की वास्तविक तारीख के बीच की अवधि हेतु, दस प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर निर्धारित राशि के बराबर की रकम तक बढ़ जाएगी।

स्पष्टीकरण : इस उप-विनियम के प्रयोजनार्थ, निर्धारित तारीख वह तारीख होगी जिस तारीख को प्रतिफल का भुगतान इन विनियमों में उल्लिखित समय-सीमाओं के अनुसार शेयरधारकों को किया जाना चाहिए था।"

(3) विनियम 6क के पश्चात् और विनियम 7 से पूर्व, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"6ख. इन विनियमों में दी हुई किसी बात के होते हुए भी, कोई भी व्यक्ति (जो भगोड़ा आर्थिक अपराधी हो) शेयरों को अर्जित करने हेतु खुले प्रस्ताव (ओपन ऑफर) की सार्वजनिक घोषणा नहीं करेगा या प्रतियोगी प्रस्ताव (कम्पीटिंग ऑफर) नहीं लाएगा अथवा लक्षित कंपनी (टार्गेट कंपनी) के किन्हीं शेयरों या मताधिकारों या नियंत्रण को अर्जित करने हेतु, या तो प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, कोई लेनदेन (संव्यवहार / ट्रांजेक्शन) नहीं करेगा।"

(4) विनियम 7 में, उप-विनियम (2) में, शब्द "लक्षित कंपनी के कुल शेयरों का अतिरिक्त दस प्रतिशत", शब्दों "लक्षित कंपनी में अतिरिक्त दस प्रतिशत मताधिकारों का" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(5) विनियम 9 में, -

(क) शब्द "सूचीबद्धता करार" जहाँ कहीं भी दिए हुए हों, शब्दों "सूचीबद्धता संबंधी विनियमों" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(ख) उप-विनियम (5) में, खंड (ग) में, स्पष्टीकरण में, शब्द, चिह्न और अंक "कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 81 की उप-धारा (1क) के अधीन", शब्दों, चिह्नों और अंकों "कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 62 की उप-धारा (1) के खंड (ग) के तहत" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(6) विनियम 10 में,-

(क) शब्द "सूचीबद्धता करार" जहाँ कहीं भी दिए हुए हों, शब्दों "सूचीबद्धता संबंधी विनियमों या यथास्थिति सूचीबद्धता करार" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(ख) उप-विनियम (1) में, खंड (क) में, उप-खंड (iii) के पश्चात् और उप-खंड (iv) से पूर्व, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"स्पष्टीकरण: इस उप-खंड के प्रयोजनार्थ, कंपनी में निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) शामिल होगा, फिर चाहे वह भारतीय हो या विदेशी।"

(ग) उप-विनियम (1) में, खंड (ज) में, शब्द, चिह्न और अंक "कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 87 की उप-धारा (2)", शब्दों, चिह्नों और अंकों "कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 47 की उप-धारा (2)" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(घ) उप-विनियम (4) में, खंड (ग) में, पहले परंतुक में, उप-खंड (i) में, शब्द, चिह्न और अंक "कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 77क के अधीन", शब्दों, चिह्नों और अंकों "कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 68 के तहत" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(ङ) उप-विनियम (4) में, खंड (ग) में, पहले परंतुक में, उप-खंड (iii) में, शब्द, चिह्न और अंक "कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 77क के अधीन", शब्दों, चिह्नों और अंकों "कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 68 के तहत" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(7) विनियम 17 में, उप-विनियम (3) में, परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"स्पष्टीकरण : निलंब खाते में पड़ी नकदी [जिसका उल्लेख ऊपर खंड (क) में किया गया है] को ऐसे खाते में रखा जा सकेगा, जिस पर व्याज मिलता हो, बशर्ते कि मर्चेट बैंककार (बैंकर) यह सुनिश्चित करे कि पैसा (फंड) उस समय उपलब्ध रहे जब शेयरधारकों को भुगतान करना हो।"

(8) विनियम 18 में,-

(क) उप-विनियम (2) में, पहले परंतुक से पूर्व, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"स्पष्टीकरण:

(i) प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भी प्रेषित किया जा सकेगा।

(ii) किसी शेयरधारक से प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) की प्रति कागज़ी रूप में प्राप्त करने का अनुरोध प्राप्त होने पर, उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाएगी।

(iii) उपरोक्त का प्रकटीकरण (डिस्कलोज़र) प्रस्ताव-पत्र (लेटर ऑफ ऑफर) में किया जाएगा।"

(ख) उप-विनियम (4) में, शब्द "तीन कार्य दिवसों", शब्दों और चिह्न "एक कार्य-दिवस" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(9) विनियम 20 में, उप-विनियम (9) में, परंतुक में, शब्द "तीन कार्य दिवस", शब्दों और चिह्न "एक कार्य-दिवस" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(10) विनियम 22 में, उप-विनियम (2) में, शब्द "प्रतिफल के एक सौ प्रतिशत", शब्दों और चिह्नों "संपूर्ण प्रतिफल (कन्सिडरेशन)" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(11) विनियम 24 में, उप-विनियम (1) में, पहले परंतुक में, शब्द "प्रतिफल का शत प्रतिशत", शब्दों और चिह्नों "संपूर्ण प्रतिफल (कन्सिडरेशन)" से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(12) विनियम 29 में, उप-विनियम (3) में, शब्दों "मताधिकारों के अर्जन" के पश्चात्, शब्द और चिह्न "या उनके बेचे जाने आदि (डिस्पोज़ल)" अंतःस्थापित किए जाएंगे।

(13) विनियम 32 में, उप-विनियम (1) में, शब्दों "अधीन ऐसे निदेश", के पश्चात्, शब्द "या कोई अन्य आदेश" अंतःस्थापित किए जाएंगे।

(14) विनियम 33 निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्, -

"कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति

33. इन विनियमों के प्रावधानों की व्याख्या या इनके लागू होने के संबंध में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड समय-समय पर स्पष्टीकरण या दिशानिर्देश (मार्गदर्शक सिद्धांत / गाइडलाइन्स) जारी कर सकेगा।"

अजय त्यागी, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2011-12/24/30181, 23 सितम्बर 2011 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
2. मूल विनियम तत्पश्चात् :
 - (क) 26 मार्च, 2013 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2013, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2012-13/36/7368, द्वारा
 - (ख) 8 अक्तूबर, 2013 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड {संस्थागत व्यापारिक (ट्रेडिंग) प्लेटफार्म पर विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता} विनियम, 2013, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2013-14/28/6720, द्वारा
 - (ग) 23 मई, 2014 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (फीस का संदाय) (संशोधन) विनियम, 2014, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2014-15/03/1089, द्वारा
 - (घ) 24 मार्च, 2015 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2015, सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2014-15/28/542, द्वारा
 - (ङ) 5 मई, 2015 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2015, सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./ओ.आई.ए.इ./जी.एन./2015-16/004, द्वारा
 - (च) 14 अगस्त, 2015 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2015, सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2015-16/009, द्वारा
 - (छ) 22 दिसम्बर, 2015 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (चौथा संशोधन) विनियम, 2015, सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2015-16/026, द्वारा
 - (ज) 17 फरवरी, 2016 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2016, सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2015-16/035, द्वारा
 - (झ) 25 मई, 2016 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2016, सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2016-17/002, द्वारा
 - (ञ) 6 मार्च, 2017 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (फीस का भुगतान और भुगतान का माध्यम) (संशोधन) विनियम, 2017, अधिसूचना सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2016-17/037 (तारीख 29 मार्च, 2017 की अधिसूचना सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2016-17/038 के साथ पठित), द्वारा
 - (ट) 14 अगस्त, 2017 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2017, सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2017-18/015, द्वारा
 - (ठ) 1 जून, 2018 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) (संशोधन) विनियम, 2018, सं. सेबी/एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2018/20, द्वारा संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 11th September, 2018

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (SUBSTANTIAL ACQUISITION OF SHARES AND TAKEOVERS) (SECOND AMENDMENT) REGULATIONS, 2018

No. SEBI/LAD-NRO/GN/2018/33.— In exercise of the powers conferred under section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, namely:

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Second Amendment) Regulations, 2018.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Securities and Exchange Board of (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011,

(1) in regulation 2:

(a) in sub-regulation (1), in clause (j), the words “is made” shall be substituted with the following, namely:-

“is required to be made under these regulations”

(b) in sub-regulation (1), after clause (j) and before clause (k), the following clause shall be inserted, namely:-

“(ja) “fugitive economic offender” shall mean an individual who is declared a fugitive economic offender under section 12 of the Fugitive Economic Offenders Act, 2018 (17 of 2018).”

(c) in sub-regulation (1), after clause (m) and before clause (n), the following clause shall be inserted, namely:-

“(ma) “listing regulations” means the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.”

(d) in sub-regulation (1), clause (r) shall be substituted with the following, namely:-

“(r) “postal ballot” means a postal ballot as provided for under Rule 22 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 made under the Companies Act, 2013.”

(e) in sub-regulation (2), the words and figures “Companies Act, 1956 (1 of 1956)” shall be substituted with the words and figures “Companies Act, 2013 (18 of 2013)”

(2) in regulation 5A,-

(a) in sub-regulation (1), in the proviso, after the words “detailed public statement”, the following words and figures shall be inserted, namely:-

“and a subsequent declaration of delisting for the purpose of the offer proposed to be made under sub regulation (1) will not suffice”

(b) sub-regulation (3) shall be substituted with the following, namely:-

“(3) In the event of failure of the delisting offer made under sub-regulation (1), the open offer obligations shall be fulfilled by the acquirer in the following manner:

(i) the acquirer, through the manager to the open offer, shall within five working days from the date of the announcement under sub-regulation (2), file with the Board, a draft of the letter of offer as specified in sub-regulation (1) of regulation 16; and

(ii) shall comply with all other applicable provisions of these regulations.

Provided that the offer price shall stand enhanced by an amount equal to a sum determined at the rate of ten per cent per annum for the period between the scheduled date of payment of consideration to the shareholders and the actual date of payment of consideration to the shareholders.

Explanation: For the purpose of this sub-regulation, scheduled date shall be the date on which the payment of consideration ought to have been made to the shareholders in terms of the timelines in these regulations.”

(3) after regulation 6A and before regulation 7, the following regulation shall be inserted, namely;-

“6B. Notwithstanding anything contained in these regulations, no person who is a fugitive economic offender shall make a public announcement of an open offer or make a competing offer for acquiring shares or enter into any transaction, either directly or indirectly, for acquiring any shares or voting rights or control of a target company.”

(4) in regulation 7, in sub-regulation (2), the words “total shares of” appearing after the words “additional ten per cent of the”, shall be substituted by the words “voting rights in”.

(5) in regulation 9,-

(a) the words “listing agreement”, wherever occurring, shall be substituted by the words “listing regulations”.

(b) in sub-regulation (5), in clause (c), in the explanation, the words and figures “sub-section (1A) of 81 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956)” shall be substituted by the words and figures “clause (c) of sub-section (1) of section 62 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013)”.

(6) in regulation 10,-

(a) the words “listing agreement”, wherever occurring, shall be substituted by the words “listing regulations or as the case may be, the listing agreement.”

(b) in sub-regulation (1), in clause (a), after sub-clause (iii) and before sub-clause (iv), the following explanation shall be inserted, namely:-

“Explanation: For the purpose of this sub-clause, the company shall include a body corporate, whether Indian or foreign.”

(c) in sub-regulation (1), in clause (h), the words and figures “sub-section (2) of section 87 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956)” shall be substituted by the words and figures “sub-section (2) of section 47 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013)”.

(d) in sub-regulation (4), in clause (c), in the first proviso, in sub-clause (i), the words and figures “section 77A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),” shall be substituted by the words and figures “section 68 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013)”.

(e) in sub-regulation (4), in clause (c), in the first proviso, in sub-clause (iii), the words and figures “section 77A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),” shall be substituted by the words and figures “section 68 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013)”.

(7) in regulation 17, in sub-regulation (3), after the proviso the following explanation shall be inserted, namely:-

“Explanation: The cash component of the escrow account as referred to in clause (a) above may be maintained in an interest bearing account, subject to the merchant banker ensuring that the funds are available at the time of making payment to the shareholders.”

(8) in regulation 18,-

(a) in sub-regulation (2), before the first proviso, the following explanation shall be inserted, namely:-

“Explanation:

(i) Letter of offer may also be dispatched through electronic mode in accordance with the provisions of Companies Act, 2013.

(ii) On receipt of a request from any shareholder to receive a copy of the letter of offer in physical format, the same shall be provided.

(iii) The aforesaid shall be disclosed in the letter of offer.”

(b) in sub-regulation (4), the words “three working days” shall be substituted by the words “one working day”.

(9) in regulation 20, in sub-regulation (9), in the proviso, the words “three working days” shall be substituted by the words “one working day”.

(10) in regulation 22, in sub-regulation (2), the words “one hundred per cent of the” shall be substituted by the words “the entire”.

(11) in regulation 24, in sub-regulation (1), in the first proviso, the words “one hundred per cent of the” shall be substituted by the words “the entire”.

(12) in regulation 29, in sub-regulation (3), after the words “or the acquisition” and before the words “of shares or voting rights”, the words “or the disposal” shall be inserted.

(13) in regulation 32, in sub-regulation (1), after the words “issue such directions” and before the words “as it deems fit”, the words “or any other order” shall be inserted.

(14) in regulation 33,

(a) the words and symbol “shall have the power to issue directions through guidance notes or circulars:” shall be substituted by the words “may issue clarifications or guidelines from time to time”.

(b) the proviso shall be omitted

(15) in regulation 35, in sub-regulation (1), the word “stand” shall be substituted by the word “stands”.

AJAY TYAGI, Chairman

[ADVT.III/4/Exty./221/18]

Footnotes:

1. The SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 were published in the Gazette of India on 23rd September, 2011 vide No. LAD-NRO/GN/2011 12/24/30181.

2. The Principal Regulations were subsequently amended on:

(a) March 26, 2013 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2013 vide No. LAD-NRO/GN/2012 13/36/7368.

(b) October 8, 2013 by the SEBI (Listing of Specified Securities on Institutional Trading Platform) Regulations, 2013 vide No. LAD-NRO/GN/2013-14/28/6720.

(c) May 23, 2014 by the SEBI (Payment of Fees) (Amendment) Regulations, 2014 vide Notification No. LAD-NRO/GN/2014-15/03/1089.

(d) March 24, 2015 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2015 vide No. LAD-NRO/GN/2014-15/28/542.

(e) May 5, 2015 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Second Amendment) Regulations, 2015 vide No. SEBI/LAD-NRO/OIAE/GN/2015-16/004.

(f) August 14, 2015 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Third Amendment) Regulations, 2015 vide No. SEBI/LAD NRO/GN/2015-16/009.

(g) December 22, 2015 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Fourth Amendment) Regulations, 2015 vide No. SEBI/LAD-NRO/GN/2015-16/026.

(h) February 17, 2016 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2016 vide No. SEBI/LAD-NRO/GN/2015-16/035.

(i) May 25, 2016 by the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Second Amendment) Regulations, 2016 vide No. SEBI/ LAD-NRO/GN/2016-17/002.

(j) March 6, 2017 by SEBI (Payment of Fees and Mode of Payment) (Amendment) Regulations, 2017 vide No. SEBI/LAD/NRO/GN/2016-17/037 read with notification dated March 29, 2017 vide No. SEBI/LAD/NRO/GN/2016-17/38.

(k) August 14, 2017 by SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2017 No. SEBI/LAD-NRO/GN/2017-18/015.

(l) June 01, 2018 by SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) (Amendment) Regulations, 2018 No. SEBI/LAD-NRO/GN/2018/20.